

श्री कल्प नाथ राय : प्रधान मंत्री जी ने इस सदन का अपमान किया है इसलिए प्रधान मंत्री को आ कर..... (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing will go on record.

(Shri Kalp Nath Rai continued speaking).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): It was observed in the morning by Mr. Chairman that nothing on the matter will go on record. Now, please take your seat.

(Shri Kalp Nath Rai continued speaking).

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Uttar Pradesh): Is it being recorded?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing about this matter is going to be recorded. Mr. J. P. Mathur.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : (उत्तर प्रदेश), मैं इस सदन का ध्यान एक अत्यन्त आवश्यक कार्य की ओर दिलाना चाहता हूँ।

(Interruptions)

SHRI KALP NATH RAI: Sir,....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing about this matter is going to be recorded.

(Shri Kalp Nath Rai continued speaking).

#### **THE EMPLOYMENT OF CHILDREN (AMENDMENT) BILL, 1978**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Mr. Varma to introduce the Bill.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Employment of Children Act, 1938.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI RAVINDRA VARMA: Sir, I introduce the Bill.

श्री कमलापति त्रिपाठी : उपसभाध्यक्ष महोदय, प्वायन्ट आफ आर्डर उठाया जा रहा है, उसे तो कम से कम सुनना चाहिए। एक छोटी सी मांग की गई थी कि प्रधान मंत्री को बुलाया जाए।

(Interruptions)

#### **THE RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 1978**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN); shri Satish Agarwal.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGARWAL); Sir I beg to move;

"That the Bill further to amend the Reserve Bank of India Act, 1934 as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration." (Interruptions)

#### **REFERENCE TO A FATAL ACCIDENT BY A JEEP IN DELHI—Contd.**

SHRI G. LAKHMANAN (Tamil Nadu): Sir, Let me make a personal appeal to the hon. Members.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Nothing will be heard.

I had requested earlier, also, when Mr. Sharma raised a Doint that this matter was raised also in the morning. The Prime Minister was at that time present in the House. The Prime Minister could make a statement. Nobody could have denied him the right to make a statement at that time. Then I told Mr. Sharma, whatever he said again, that Mr. Advani is here present in the House, he can carry his feelings to the Prime Minister and if the Prime Minister wishes to make a statement, he can -make it today or tomorrow. Therefore, why should the business of the House suffer because the Prime Minister is not here? Secondly... (Interruptions)

SHRI ANANT PRASAD SHARMA (Bihar): If he can assuT» that the Prime Minister will make a statement, then the matter can be ...

(Interruptions)

श्री महेन्द्र मोहन मिश्र (बिहार): श्रीमान्, मेरा निवेदन यह है कि आप आधे घंटे के लिए सदन को स्थगित कर दीजिए। इस बीच में सदन के नेता महोदय प्रधान मंत्री जी से बातचीत कर लें। जिस प्रकार की परिस्थिति इस वक्त सदन में चल रही है उसमें सभा की कार्यवाही नहीं चल सकती। मेरी यह प्रार्थना है कि इस समय आप कम से कम आधे घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दीजिए।

SHRI G. LAKSHMANAN- The Congress Members cannot diutate terms to the Vice-Chairman.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, मैं आपके द्वारा नेता सदन से यह कहना चाहता हूँ कि वे जाकर प्रधान मंत्री को इस सदन की भावनायें व्यक्त कर दें . . .

(Interruptions)

श्री जगदीश प्रसाद साधु : श्रीमान्, ये बातें सदन की भावनायें नहीं हैं, कुछ लोगों की भावनायें हो सकती हैं।

SHRI HAMID ALI SCHAMNAD (Kerala): This is not th.; feaHng ol the House; only a section of the House.

SHRI G. LAKSHMANAN: Point of order. I move for closure of the discussion. (Interruptions) . . . You can name them, Sir. (Interruptions) . . . Sir, I have moved the motion. (Interruptions) Therefore, you cannot . . . (Interruptions) It can be put to vote.

THE VICE-CHAIBMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): There is actually no matter b-f:ie this House because no matter h.^s been brought before this House for discussion under the rules. It was only a reference made by some ho'n. Member and after he made the reference he wanted the Prime Minister to say something about that matter. Therefore there is no matter with regard to what the hon. Member is speakin;.^ presently before the House.

SHRI G. LAKSHMANAN: Shouting itself is

(Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Therefore, there is no question of moveing a closure motion.

श्री कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, आपकी बात सुन कर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। आज प्रातः जब सदन मिला तो कुछ समय के बाद लगभग एक घंटे तक इस विषय पर बहस चल रही थी। एक मेशन किया गया था और सदन के सदस्यों ने यह मांग की थी कि प्रधान मंत्री जी को इस मामले पर अपना वक्तव्य देना चाहिए; क्योंकि वे लोक सभा में इस प्रकार का वक्तव्य दे चुके थे। इस मामले के बारे में कई प्रकार की भ्रांतियाँ और झूठी बातें फैलाई गई हैं। किसी एक व्यक्ति के खिलाफ यह आरोप लगाया गया है कि इस वक्त वह जेल में है और उसने किसी के द्वारा जीप चलवा कर किसी को मरवा डाला। इसके ऊपर उनको वक्तव्य देना चाहिए। उन्होंने नहीं सुना और सदन एड़जाने हुआ और उठ कर चले गए। फिर अब सदन मिला है परन्तु वह नहीं आए। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि (Interruptions) माननीय सदन नेता से यह कहिए कि वे श्री मोरारजी देसाई के पास जाकर हमारी भावनायें व्यक्त करें और वे कृपा करके यहाँ आकर वक्तव्य दे दें। अगर प्रधान मंत्री का वक्तव्य नहीं होगा तो सदन कैसे चलेगा? सदन को चलाना मुश्किल हो रहा है।

श्री लाल कृष्ण श्राद्धवाणी : उपसभाध्यक्ष जी, जहाँ तक सदन की भावना का सवाल है, मैं कहना चाहूँगा कि . . .

SHRI G. LAKSHMANAN: Sir, the entire shouting v. as in English, go he shouljj reply in English.

श्री लाल कृष्ण श्राद्धवाणी : यहाँ सदन की भावना का जिक्र किया गया है। मैं समझता हूँ कि सदन के बहुत से सम्मानित सदस्यों को आज की घटनाओं से बहुत आघात पहुँचा है कि वे एक पक्ष अव्यवस्था पैदा करके नियमों को अपने हिसाब से मोड़ना च (Interruptions)

प्रधान मंत्री जी के कहने पर मैं उस समय यहाँ खड़ा हुआ था बोलने के लिए। इस सदन को ध्यान है कि उस समय प्रधान मंत्री जी ने मुझे स्वयं कहा था कि यहाँ पर आकावशाणी के बारे में बात कही गई है, इसलिए आप इस पर बोलें तो उपयुक्त होगा। लेकिन मेरे खड़े होने के बाद, जो माननीय सदस्य सदन की भावना की बात करते हैं, उन्होंने कहा कि हम नहीं सुनेंगे। हम जो प्रधान (Interruptions) हैं।

(Interruptions)

उपसभाध्यक्ष जी, सदन की भावना, सदन का आदर और सदन की मर्यादा की बात उनको

कहनी चाहिए जो सदन की मर्यादा का पालन करते हों। मैं बिनमतापूर्वक कहना चाहूंगा कि...

(Interruptions)

उपसभाध्यक्ष जी, आज प्रातः काल यहाँ पर सभापति जी स्वयं मौजूद थे। सभापति जी ने सारे नियमों को ध्यान में रख कर, सारी व्यवस्था का हिसाब रख कर जहाँ आवश्यक समझा यह आदेश दिया कि जितने सदस्य इस तरह बोल रहे हैं उनके वक्तव्य कार्यवाही में न आये और करीब एक घंटे की कार्यवाही रिकार्ड नहीं की गई। यह इसलिए कि इसे उन्होंने अव्यवस्था माना। यदि हम सरकार से कोई बयान करवाना चाहते हैं तो उसके लिये व्यवस्था है, विधियाँ हैं और सारे कानून हैं। Proceedings of the House should be conducted in an orderly fashion, in accordance with the Rules. इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि नियमों के अनुसार इस सदन की कार्यवाही को चलायें।

(Interruptions)

SHRI G. LAKSHMANAN: Sir, I would make a small suggestion to the Leader of the Opposition. The parliamentary procedure is that if a particular thing is not accepted by the Government, or the request is not respected, it is open to the Opposition to simply walk out.

(Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): Please resume your seat.

(Shri G. Lakshmanan continued speaking).

(Shri Kalp Nath Rai continued speaking)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): How can I allow you to speak? Your own Members are not allowing you to speak.

(Shri-i Anant Prasad Sharma continued speaking)

(Shri Hamid Ali Schamnad continued speaking)

[Shri N. G. Ranga (Andhra Pradesh) continued speaking]

THE RESERVE BANK OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 1978 Contd.

SHRI SATISH AGARWAL: Sir, I again move;

"That the Bill further to amend the Reserve Bank of India Act, 1933 as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

(Interruptions)

#### REFERENCE TO A FATAL ACCIDENT BY A JEEP IN DELHI—contd.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SYED NIZAM-UD-DIN): What is the matter before the House? (Interruptions). You are creating disorder. (Interruptions). You are creating disorder.

(Interruptions) (Shri Kalp Nath Rai continued speaking).

(Shri Anant Prasad Sharma continued speaking).

[Mr. Chairman in the Chair.]

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, यह बात समझ में नहीं आती कि प्रधान मंत्री क्यों इस प्रकार का रवैया अपना रहे हैं। वे इस सदन में मौजूद थे। हमारा यह अधिकार है और आज जो लोग जिस गद्दी पर बैठे हैं उन का दायित्व है कि वे सत्य बातों को सदन के सामने रखें। विशेष कर जब सदस्य किसी प्रश्न को लेकर उत्तेजित हों और प्रधान मंत्री को सुनना चाहते हैं, उस हालत में यह गैर-मुमकिन है, यह प्रजातंत्र की हत्या है, यह प्रजातंत्रीय पद्धति के विपरीत है कि वह सदन को उत्तर न दें। आप इस सदन को छोड़ कर चले गए थे और फिर आ गए हैं, मैं चाहता हूँ आप इस सदन में व्यवस्था दें। ये प्रधान मंत्री बहुत दिनों तक रहने वाले नहीं हैं। आप भले ही रिकार्ड मत होने दीजिए, आप रिपोर्टों को हटा दीजिए लेकिन हम अपनी बात कह कर रहेंगे। हमको कोई जरूरत नहीं लेकिन आप इस कुर्सी पर बैठे हुए हैं और इसलिये हम अपनी बात को कहते रहेंगे। लेकिन मुझे बताया जाय और सदन को बताया जाए कि कोई प्रधान मंत्री अगर इस प्रकार का अहंकारी रवैया अख्तियार करे, कोई वृजुंग प्रधान मंत्री जो अपने को कहता हो, इस प्रकार का व्यवहार करे जो जनतंत्र की मान्य परंपराओं के विपरीत हो तो क्या होगा। इस सदन में आडवाणी जी बैठे थे, वह पहले इधर बैठते थे...

(Interruptions) तो मैं आप से अनुरोध करूंगा कि हमारे अधिकारों की आप रक्षा कीजिए। आप उन्हें बाध्य कीजिए कि वे यहाँ आ कर इस पर वक्तव्य दें। मैं एक बात कह कर समाप्त करूंगा।

SHRI N. P. CHENGALRAYA NAIDU (Andhra Pradesh): Sir, is it being recorded? It was not recorded